

मेवा नगर री डोडियां अध बीच रावल मालदे भजन लिरिक्स



मेवा नगर री डोडियां अध बीच,

दोहा – जमला माही जावणो,

जागे रावलमाल,

रूपा गुरु से अरज करे,

गुरु मारे सामी भाळ।

रूपा रावलमालदे मालाणी रे माय,

रूपा भजन करे भगवान का,

रावल भजन करण दे नाय।

मेवा नगर री डोडियां अध बीच,

रूपा डावड़िया रामत मोडियो रे जी,

मेवा नगर री डोडिया अध बीच,

रूपा डावड़िया रामत मोडियो रे जी।bd।

ऐ पूरिया है अलख धणी रो पाठ,

पगल्या पूरिया है रामा पीर रा रे जी,

ऐ परी कोरी है मेवा री बाजार,

चेहरों कोरियो हे रावल माल रो रे जी।bd।

घोड़ा वाला घोड़ों पाचो राख,

पगल्या भांगे है रामा पीर रा रे जी,

परी भोगे थु मेवा री बाजार,

चेहरों भोगे है रावल माल रो रे जी।bd।

कटे देखी है मेवा री बाजार,

कटे देख्या है रावल माल जी रे जी,

गई थी मु तो कच्छ भुज रे माय,

वोटे देख्या है रावल मालजी रे जी।bd।

कठड़े सोवे है चंद्र भाण,

कठड़े सोवे रावलमाल जी रे जी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



तारों में सोवे है चंद्र भाण,
बोधवे सोवे रावलमाल जी रे जी।bd।

मालजी ने मेवा गढ़ रो राज,
थोथी थळियो रो वंको राजवी रे जी,
मेवा नगर री डोडिया अध बीच,
रूपा डावड़िया रामत मोडियो रे जी।bd।

गायक – जेतपुरी जी महाराज।
प्रेषक – पुखराज पटेल।
97844 17723
